



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 62]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 7, 1992/माघ 18, 1913

No. 62]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 7, 1992/MAGHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1992

सा.का.नि. 91 (अ) :—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए, कतिपय नियमों का एक श्राव्य, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) का धारा 23 की उपधारा (1) को अधीनस्थ, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं.सा.का.नि. 595 (अ) तारीख 20 सितम्बर, 1991 के अज्ञान, भारत के राजपत्र, प्रकाशन, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 20 सितम्बर, 1991 के पृष्ठ 1-7 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने का संभावना था, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, उस दिन के अवधान से पहले आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र 4/5 नवम्बर, 1991 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त श्राव्य के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है।

अतः, अद्य, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात्, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (बीया संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अश्विनिश्रम निवारण नियम, 1955 में,—

- (1) नियम 42 में, खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(य) प्रत्येक पैकेज पर, जिसमें खाद्य तेलों का अश्विनिश्रम है, निम्नलिखित लेबल होगा, अर्थात्:—

इस सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेल में निम्नलिखित का अश्विनिश्रम है:

- (1)भार के अनुसारप्रतिशत
(2)भार के अनुसारप्रतिशत
(खाद्य वनस्पति तेलों का नाम और प्रकृति—अर्थात् कच्चा या परिष्कृत रूप में)

पैकिंग की तारीख

- (2) नियम 44 में,—

(क) सीधे परन्तुक और पांचवें परन्तुक का जोप किया जाएगा।

(ख) सातवें परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह भी कि खंड (इ.) में प्रतिबंध ऐसे दो वनस्पति तेलों के अश्विनिश्रम के खाद्य वनस्पति तेल के रूप के मामले में अप्र-वर्तनीय रहेगा, जहाँ—

(7) अश्विनिश्रम में प्रयोग किए गए किसी खाद्य वनस्पति तेल का भार के अनुसार अनुपात 20 प्रतिशत से कम न हो; और

(ख) खाद्य वनस्पति तेलों के अश्विनिश्रम का संसाधन या पैकिंग और विक्रय भारत सरकार के नागरिक आपूर्ति विभाग (कानूनी, वनस्पति तेल और वसा निदेशालय) द्वारा या विभाग द्वारा प्राधिकृत पब्लिश, प्राइवेट या मिश्रित सेक्टर में अधिकारियों द्वारा या राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा या राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, तिलहन और वनस्पति तेल परियोजना के अधीन स्थापित राज्य सहकारी तिलहन प्रोसेसिंग फेडरेशन या क्षेत्रीय और जिला सहकारी तिलहन/प्रोसेसिंग संघ द्वारा या केंद्रीय और राज्य सरकार के पब्लिक सेक्टर उपकरणों द्वारा, ऐसे संकल किए गए पैकेजों में जिनका भार 5 कि.ग्रा. से अधिक न हो, अतिरिक्त रूप से एमार्क प्रमाणित चिह्न के अधीन और जिन पर नियम 42 के खंड (घ) में वर्णित बोधना लेबल के साथ किया जाता हो; और

(ग) अश्विनिश्रम में प्रयोग किए गए प्रत्येक खाद्य तेल की क्वालिटी, इन नियमों द्वारा विहित सुसंगत मानकों के अनुमति हो।”

- (3) नियम 49 में, उपनियम (19) के पञ्चाश निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(20) सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेलों का विक्रय ज्वली अवस्था में नहीं किया जाएगा। इसका विक्रय ऐसे सोल किए गए पैकेजों में किया जाएगा जिनका भार 5 कि.ग्रा. से अधिक न हो। इसका विक्रय सम्मिश्रण में प्रयोग किए गए तेल के सामान्य या रंग नाम से भी नहीं किया जाएगा बल्कि इसका विक्रय “सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेल” के रूप में किया जाएगा। संकल किए गए पैकेजों का विक्रय या विक्रय के लिए प्रस्थापना इन नियमों के अधीन अन्य लेबल अपेक्षाओं के अतिरिक्त नियम 42 और नियम 44 के उपबंधों के अनुसार बोधना लेबल पर एमार्क प्रमाणित चिह्न के अधीन की जाएगी।”

- (4) परिशिष्ट “ख” में मद क. 17.25 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्:—

“क. 17.24—‘सम्मिश्रित खाद्य वनस्पति तेल’ से अभिप्रेत है ऐसे किन्हीं दो खाद्य वनस्पति तेलों का अश्विनिश्रम जहाँ अश्विनिश्रम में प्रयोग किए गए किसी खाद्य वनस्पति तेल का भार के अनुसार अनुपात 20 प्रतिशत से कम न हो। सम्मिश्रण में प्रत्येक तेल इन नियमों द्वारा विहित अपने अपने मानकों के अनुरूप होगा। सम्मिश्रण साफ होगा और विकृत गंधिता, निरुचित या अविलय पदार्थ या कोई अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्क जन, मिठाई और रंजन पदार्थ, मुखविकारक तत्व, खनिज तेल कोई अन्य पदार्थ या अशुद्ध तेल या वसा, आर्गेनोन तेल, हाइड्रोसाइनिक धमन, एंरंड तेल और ट्राइमेथिल फास्फेट से मुक्त होगा। यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप हो जाएगा, अर्थात्:—

- (क) आर्द्रता और वाष्पशील पदार्थ—भार के अनुसार 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं।

(ख) तेलों की प्रकृति

अम्ल अम्लता

अम्ल अम्लता

- (1) सम्मिश्रण में दोनों कच्चे खाद्य वनस्पति तेल 6.0 से अधिक नहीं
(2) सम्मिश्रण में एक कच्चा खाद्य वनस्पति तेल 5.0 से अधिक नहीं और एक परिष्कृत खाद्य वनस्पति तेल
(3) सम्मिश्रण में दोनों परिष्कृत खाद्य वनस्पति तेल 0.5 से अधिक नहीं

(ग) अश्विनिश्रम पदार्थ—

- (1) राइस ब्रान तेल के साथ सम्मिश्रित —भार के अनुसार 3.0 प्रतिशत से अधिक नहीं।

- (2) अन्य खाद्य वनस्पति तेलों के साथ सम्मिश्रित —भार के अनुसार 1.50 प्रतिशत से अधिक नहीं।

- (घ) प्रश्रवण ताप (वेक्से-मार्टिन स्कोज्ड पद्धति) —250° से कम नहीं।”

[सं. पी-15025/46/91-पी एच (एफ और एन) पी एफ ए]]

बी.एस. लाम्बा, संपुस्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th February, 1992

G.S.R. 91(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules 1955 were published as required by sub-section (1) of section 23 of Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 595(E) dated the 20th September 1991 in the Gazette of India Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 20th September, 1991 at pages 1-7 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of thirty days from the date on which copies of the

Gazette of India in which the said notification was published, was made available to the public ;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 4/5th November 1991;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred, by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fourth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955,—

(1) in rule 42 for clause (zz), the following clause shall be substituted, namely :—

“(zz) Every package containing an admixture of edible oils shall carry the following label, namely :—

This blended edible vegetable oil contains an admixture of :

(i)% by weight

(ii)% by weight

(Name and nature of edible vegetable oils i.e. in raw or refined form)

Date of Packing.....

(2) in rule 44,—

(a) fourth proviso and the fifth proviso shall be omitted;

(b) for the seventh proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided also that prohibition in clause (e) shall remain inoperative in respect of ad-

mixture of any two edible vegetable oils as on edible vegetable oil, where—

(a) the proportion by weight of any edible vegetable oil used in the admixture is not less than 20 per cent by weight and

(b) the admixture of edible vegetable oils, is processed or packed and sold, by the Department of Civil Supplies, Government of India (Dte. of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats) or by the agencies in public, private or Joint sector authorised by the Department, or by the National Dairy Development Board or by the State Cooperative Oilseeds Growers Federation or Regional and District Cooperative Oilseeds Growers Union set-up under National Dairy Development Board's Oilseeds and Vegetable Oil Project or by the Public Sector undertakings of Central and State Governments, in sealed packages weighing not more than 5 Kgs. under Agmark Certification Mark Compulsorily and bearing the label declaration as laid down in clause (zz) of rule 42; and

(c) the quality of each edible oil used in the admixture conforms to the relevant standard prescribed by these rules.”

(3) in rule 49, after sub-rule (19) the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(20) the Blended Edible Vegetable Oils shall not be sold in loose form. It shall be sold in sealed packages weighing not more than 5 Kg. It shall also not be sold under the common or generic name of the oil used in the blend but shall be sold as ‘Blended Edible Vegetable Oil’. The sealed package shall be sold or offered for sale only under AGMARK certification mark bearing the label declarations as provided under rule 42 and rule 44 besides other labelling requirements under these rules.”

(4) in Appendix ‘B’ for item A. 17.24, the following item shall be substituted, namely :—

“A 17.24—‘Blended edible vegetable oil’ means an admixture of any two edible vege-

table oils where the proportion by weight of any edible vegetable oil used in the admixture is not less than 20 per cent. The individual oils in the blend shall conform to the respective standards prescribed by these rules. The blend shall be clear, free from rancidity, suspended or insoluble matter or any other foreign matter, separated water, added colouring matter, flavouring substances, mineral oil, or any other animal and non-edible oils, or fats, argemone oils, hydrocyanic acid, castor oil and tricresyl phosphate. It shall also conform to the following standards, namely :—

(a) moisture and volatile matter not more than 0.2 percent by weight;

(b) Acid value :—

Nature	Oil	Acid value
(1)	Both raw edible vegetable oils in the Blend	Not more than 6.0
(2)	One raw edible vegetable oil and one refined edible vegetable oil in the Blend	Not more than 5.0
(3)	Both refined edible vegetable oils in the Blend	Not more than 0.5
(c)	Un-saponifiable matter—	
(i)	Blend with rice bran oil	Not more than 3.0 percent by weight
(ii)	Blend with other edible vegetable oils	Not more than 1.50 percent by weight
(d)	Flash point (Penske Martin, closed method)	Not less than 250°C.

[No. P. 15025/46/91-PH(F&N)PFA]

B. S. LAMBA, Jt. Secy.